NCERT Solutions For Class 10 Hindi (Kshitij)

Ch 9 – लखनवीं अंदाज़ – यशपाल

1. लेखक को नवाब साहब के किन हाव - भावों से महसूस हुआ की वें उनसे बातचीत करने के लिए तनिक भी उत्सुक नहीं है ?

उत्तर: गाड़ी के चलते ही जैसे ही लेखक ने हड़बड़ी में डिब्बे में प्रवेश किया, उन्हें दृष्टिगत हुआ की नवाब साहब की आँखों में उनके एकांत चिंतन में विघ्न के आशंका में ,असंतोष के भाव प्रकट हो गए है। इसके बाद भी नवाब साहब ने लेखक से वार्तालाप शुरू करने में रूचि नहीं दिखाई , जिससे की लेखक को नवाब साहब के मन में अपने लिए उदासीनता के भाव प्रतीत हुए।

2. नवाब साहब ने बहुत ही यत्न से खीरा काटा, नमक- मिर्च बुरका, अंततः सूंघकर ही खिड़की से बहार फेंक दिया। उन्होंने ऐसा क्यों किया होगा ? उनका ऐसा करना उनके कैसे स्वाभाव को इंगित करता है ?

उत्तर: नवाब साहब ने इतने यत्न से खीरा काट कर, नमक - मिर्च छिड़कने के बाद भी सूंघकर बाहर फेंक दिया क्योंकि उस परिदृश्य में उनका खीरा खाना उन्हें निहायत ही मंझोले दर्जे का लगा जो की उनके नवाबी आन को दाग लगा सकता था। उनका यह बर्ताव उनके सामजिक झूठे शान ,दम्भ एवं आडंबर,दिखावा एवं व्यावहारिक खोखलेपन को परिलक्षित करते है।

3. बिना विचार,घटना और पात्रों के भी कहानी लिखी जा सकती है। यशपाल के इस विचार से आप कहाँ तक सहमत हैं ?

उत्तर: यह कहानी नए दौर के ऐसे लेखकों की जिनकी रचनाओं में कई बार विचार एवं कथ्य की कमी दृष्टिगोचर होती है पर एक तीखा व्यंग्य है। जो यह दर्शाने का प्रयास करता है की एक कहानी के लिए जो आवश्यक तत्व होते है उनमे एक कथ्य , विचार एवं मजबूत पात्र सबसे अहम होता है !मैं यशपाल के विचार से पूर्णतया सहमत हूँ।

4. आप इस निबंध को और क्या नाम देना चाहेंगें ?

उत्तर: इस निबंध को एक अन्य नाम जो दिया जा सकता है वह " लखनवीं नवाब" हो सकता है , क्योंकि इस पुरे कथानक में ही नवाब साहब अपने लखनवीं अंदाज़ में अपने नवाबी को संरक्षित एवं प्रदर्शित करने की कोशिश में दिखतें है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

5. नवाब साहब द्वारा खीरा खाने की तैयारी करने का एक चित्र प्रस्तुत किया गया है। इस पूरी प्रक्रिया को अपने शब्दों में व्यक्त कीजिये।

उत्तर: नवाब साहब ने खीरा साफ करके एक साफ़ तौलिये पर रखा था,उसके बाद उन्होंने लोटे से खीरे को बहार निकल कर धोया, उसे तौलिये से वापस पोंछ कर, चाकू से काटकर फांकें बनायीं फिर उस पर बहुत ही करीने से नमक - मिर्च बुरका , अंततः उसे अपनी नासिका छिद्रों के पास लेकर सूंघा और बाहर गिरा दिया।

भाषा अध्ययन

1. निम्नलिखित वाक्यों में से क्रियापद छाँट कर क्रिया भेद भी लिखिए

क - एक सफेदपोश सज्जन बहुत ही सुविधा से पालथी मार कर बैठे थे।

ख - नवाब साहब ने संगति के लिए कोई उत्साह नहीं दिखाया।

ग - ठाली बैठे हुए कल्पना करते रहने की पुरानी आदत है।

घ -अकेले सफर का वक़्त काटने के लिए ही खीरे खरीदे होंगे।

ङ - दोनों खीरे के सिरे काटे उन्हें गोद कर झाग निकाला।

च - नवाब साहब ने सतृष्ण आँखों से नमक मिर्च के संयोग से चमकती खीरे की फाँकों की ओर देखा।

छ - नवाब खीरे की तयारी और इस्तेमाल से थक कर लेट गए।

ज - जेब से चाकू निकाला।

उत्तर:

क. बैठे थे - अकर्मक क्रिया

ख. दिखाया -सकर्मक क्रिया

ग.आदत है -सकर्मक क्रिया

घ.खरीदे होंगे -सकर्मक क्रिया

ङ. निकाला -सकर्मक क्रिया

च. देखा -सकर्मक क्रिया

छ. लेट गए -अकर्मक क्रिया

ज. निकाला -सकर्मक क्रिया

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in